उछलती हुई शक्ति का प्रतीक..
परिपूर्ण वर्धन प्रेरक

ECOZYME™

इकोझाईम क्या है ?

समुद्री घास और वनस्पति के स्त्रोत से प्राप्त किया हुआ निचोड़ इकोझाईम में मौजूद है। पर्यावरण से प्राप्त इकोझाईम का फसल पर अनुकूल परिणाम होता है।

इकोझाईम इस्तेमाल करने का तरीका :

सभी फसल पर इकोझाईम का ३ से ५ बार छिड़काव करना चाहिए । ४०० मिली इकोझाईम २०० लीटर पानी में मिलाकर एक एकड़ की फसल पर छिड़काव करना चाहिए । इकोझाईम अन्य रासायनिक खाद एवं कीटनाशक के साथ मिलाकर छिड़काव कर सकते हैं।

इकोझाईम की विशेषताएँ :

- इकोझाईम का फसल पर छिड़काव करनें से पत्तों द्वारा चूसा जाता है। इस तरह पौधे के सभी अंगों में पहुँच कर फसल की वृद्धि करता है।
- पौधों के मूलियों पर एवं पत्तों पर होने वाले उपयुक्त जीवाणु की संख्या में तथा प्रकार में वृद्धि होती है। इसलिए पौधों पर अन्य नये रोगजंतु का प्रभाव कम होता है ।
- फसल की चयापचय क्रिया की गति बढ़ती है । इसलिए प्रोटीन्स एवं कार्बोहायड्रेट्स का संग्रह बढ़कर पत्तों का आकार भी बढ़ जाता है ।
- पेड़ो में मजबूती आती है। फसल की शक्ति बढ़ती है। फल लगने वाले शाखाओं की संख्या बढ़ती है । इस कारण फलों की संख्या बढ़ती है ।

पैकिंग :

१०० मिली, २५० मिली,
५०० मिली, १ ली. और ५ ली.

उत्पादक :
अजिंक्य केमटेक प्रा. लि.
स.न. १३७, देवाची उरुळी, ता. हवेली, जि. पुणे
Customer Care No.: 020 25677605
ISO 9001:2015 ✦ ISO 14001:2015 ✦ ISO 45001:2018

इकोझाईम उपयोग का प्रमाण

फसल	मात्रा प्रति एकड़	उपयोग करने का समय
सब्जियाँ : टोमॅटो, बैंगन, मिरची गोबी, फूलगोभी, भिंडी, ककड़ी, तरबूज, करेली, तुरई, मटर, बीन्स इत्यादि	२०० से ३०० मिली हर समय	• बीज बोते समय • २१ दिनों के बाद • फूल लगने से पहले १० दिन • फूल आने के बाद १० दिन • फलों के बढ़ते समय
पत्ते युक्त सब्जियाँ : धनिया, मेथी, सावा, पालक इत्यादि	२०० मिली	• बीज बोते समय • बीज बोने के बाद में २१ दिन
फल : आम, अनार, अंजीर, सेब, पीच, चीकू, संतरा,मोसंबी, नीबू, पपीता, बेर, काजू, अमरुद, नारियल,सुपारी	२०० से ३०० मिली	• रासायनिक खाद के मात्रा में मिलाकर देना • फल धारन प्रारंभ होने के बाद • फल उतारने से पहले ३ हफ्ते
गन्ना	३०० मिली	• रासायनिक खाद के पहली मात्रा के साथ • लगाने के बाद ५० दिन
धान	२०० मिली	• पौधों को जब फिर से लगाया जाता है तब से १० दिनों के अंदर • लगाने के बाद ४० से ५० दिन • लगाने के बाद ६० से ७० दिन
जवार, मक्का, बाजरा, गेहूँ	२०० मिली	• बोते समय • फसल में फूल आते समय
मूँगफली, सोयाबीन, सनफ्लावर, करडी, जौस, सरसो, एरंड, तिल इत्यादि तैलबीज	२०० मिली	• बोते समय • फसल में फूल आते समय • फलियों में दाना भरते समय
प्याज, लहसुन, आलू	२०० मिली	• पुन: रोपण करने के बाद १५ दिनों के अंदर • पुन: रोपण करने के बाद ४५ दिन
फूल : ग्लॅडीओलास, लिली, गुलाब, जरबेरा, निशिगंध, अँस्टर, शेवंती, मोगरा, झेंडू	२०० मिली	• पुन: रोपण करते समय • कलियाँ आने से पहले • पहले सिंचन के २१ दिन बाद
केला	प्रति एकड २०० मिली (१०० लीटर पानी में)	• स्टिक्स (काण्ड) को द्रवण में डुबोना • लगाने के ४५ दिन बाद / १००० कांडो के लिए • लगाने के बाद ९० दिन • लगाने के बाद १०५ दिन • लगाने के बाद १३० दिन • लगाने के बाद १५० दिन
कपास	२०० मिली	• बोते समय • पहले सिंचन बोने के बाद ३५ दिन • दूसरा सिंचन बोने के बाद ६५-७० दिन • तीसरा सिंचन बोने के बाद ९०-१०० दिन
दलहन फसलें: मूग, उड़द, तुअर, चना, मटकी	२०० मिली	• बोते समय • फसल में फूल आते समय • फलियों मे दाना भरते समय